Commission at New Delhi and one Viet-Nam engineer or scientist at the Central Water and Power Research Station, Poona.

(iv) Examination of collateral data collected by various other agencies in Cambodia and preparation of a comprehensive project report.]

विद्युत विकास की योजनाएं

६२. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **सिंचाई तथा विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि लकद्वीप, अमीन द्वीप तथा मिनीकोइ द्वीपों में विद्युत विकास की क्या क्या योजनायें चल रही हैं, इस समय वहां कितनी बिजली किस प्रकार से उपलब्ध है ; वहां बिजली की आवश्यकता कितनी है और उसे किस प्रकार से पूरा किया जायेगा ?

†[POWER DEVELOPMENT SCHEMES

62. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state what power development schemes are in progress in Laccadive, Amindivi and Minicoy islands; how much power is available there at present; in what manner it is made available; what is the requirement of power there and how it is going to be met?]

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन) : छोटे डीज़ल बिजली उत्पादक सेटों की मदद से मिनीकोइ द्वीपों में बिजली लाने का काम हो रहा है । इस वक्त लकद्विव, अमीनद्वीप या मिनीकोइ द्वीपों में बिजली नहीं है । हिसाब लगाया गया है कि इन द्वीपों की बिजली की जरूरत इस प्रकार होगी :

	१९६२-६३ (किलोवाट)	१९६६-६७ (किलोवाट)
मिनीकोइ . .	२०.५	४८.३
	१९६३-६४	१९६७-६८
कावाराथी .	१२.३	१५.३
आमेनी तथा आंडरोथ	१६.३	३४.१

स्वतंत्र तथा उचित आकार के डीजल-बिजली केन्द्र खोलकर, इन जरूरतों को पूरा करने का विचार है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI O. V. ALAGESAN): The works relating to the electrification of Minicoy Islands with the help of small diesel generating sets are in progress. At present, no power is available in Laccadive, Amindivi or Minicoy Islands. Their requirement of power has, however, been assessed as under:—

	1962-63 (KW)	1966-67 (KW)
Minicoy	20·5	48·3
	1963-64	1967-68
Kavarathy	12·3	15·3
Ameni and Androth	16·3	34·1

The demand is proposed to be met by installation of independent and suitable sized diesel power stations.]

अंदमान द्वीपों के लकड़ी के लट्ठों की उपयोगिता

६३. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) टेकनीकल कोआपरेशन मिशन का जो विशेषज्ञ बि[illegible] के खंभों के लिये अंडमान द्वीपों के लकड़ी के लटठों की

†[ ] English translation.

उपयोगिता के सम्बन्ध में जांच पड़ताल कर रहा था क्या उसने अपनी रिपोर्ट दे दी है और यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं; और

(ख) वहां से प्रति वर्ष कितने लकड़ी के लट्ठे मिल सकेंगे ?

†[UTILITY OF WOODEN POLES FROM ANDAMANS

63. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Technical Cooperation Mission expert, who was making an investigation in regard to the utility of wooden poles from Andamans for the purpose of electric poles, has submitted his report and if so, what are its main features; and

(b) the number of wooden poles which may be available annually from there?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां। विशेषज्ञों का मुख्य निष्कर्ष और सिफारिशें निम्न प्रकार हैं :—

उस वायुशिफ दलदल के राजि में व्यक्त शिफ और सम्बन्धित जातियों के लगभग १,००,००० वृक्षक उपलब्ध हैं जो कि अन्दमान के बहुत से द्वीपों के किनारे स्थापित हैं।

आरम्भ में, लम्बे टापू डिपो के २० मील की समुद्रीय दूरी में कम से कम १,५०,००० वृक्षकों को मालूम करने के लिए एक अनुसन्धानात्मक समुद्र पर्यटन आवश्यक है।

यदि वृक्षकों की अपेक्षित संख्या की उपलब्धी हो जाती है, तो उस प्रांगण के एक डीजल से चलने वाले ड्रम केबल किस्म के लिए समुद्रयान अनुभव के साथ एक यांत्रिक इंजीनियर के द्वारा योजनाओं को विकसित करना होगा, जो कि एक ऐसे स्वयंचालित शैलो ड्राफ्ट वार्ज पर लगा होगा, जो कि छोटी, लघु धाराओं में मन्योबिरेबिल होगा। वृक्षकों के सापेक्षतया थोड़े मूल्य होने के विचार से, भवनों की कीमत सूसे में सड़कों या दलदल के ऊपर की तरफ पर होती है।

निकाले गये वृक्षकों का उन पर पिनहोल वेधक के आक्रमण करने से पहले ही प्रारम्भिक रूप में प्रोफिलेटिक ए०एस०सी०यू० उपचार कर देना चाहिये। इसके बाद छः मास के अन्दर अधिक से अधिक सूखाने और दबाव उपचार के लिए उनको मुख्य भूमि में भेज दिया जाना चाहिये।

(ख) विशेषज्ञ ने अनुमान लगाया है कि पर्यटन करने पर, प्रति वर्ष १५,००० वृक्षकों के उपयुक्त क्षेत्रों को ढूंढा जा सकेगा। अभी तक कोई भी ऐसा सर्वे नहीं किया गया है, क्योंकि जहाजों में स्थान की अनुपलब्धी है और उनके निकालने, उपचार करने और मुख्य भूमि तक परिवहन करने में भारी लागत आती है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) Yes, Sir. The Expert's main findings and recommendations are as under:

About 1,00,000 poles of Bruguiera and associated species may be available in the strips of mangrove swamps which line the shores of the numerous islands of the Andamans.

†[ ] English translation.

To begin with, an exploratory cruising is necessary to locate a minimum of 150,000 poles within a 20 mile barging distance of long Island Depot.

If the required number of poles are found to be available, plans will have to be developed by a mechanical engineer with marine experience for a diesel-operated drum cable type of yarder to be mounted on a self-propelled shallow draft barge which would be manouverable in small, shallow streams; the cost of building access roads on the dry or upland side of the swamps will be prohibitive, considering the relatively small value of the poles.

Extracted poles should be given preliminary prophylactic ASCU treatment before pin-hole borers attack them. They should then be transported to the mainland for maximum drying and pressure treatment within six months.

(b) The expert has estimated that after cruising, suitable areas with a potential of 15,000 poles per year could be located. No such survey has, however, been carried out because of the non-availability of shipping space and the high cost of extraction, treatment and transport to the mainland.]

नदी बोर्ड

६४. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **सिंचाई तथा विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्तर्राज्यीय नदियों के सम्बन्ध में अभी तक किन किन सम्बन्धित राज्यों ने नदी बोर्डों की स्थापना नहीं की है और इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ख) क्या इन बोर्डों की स्थापना के लिये कोई कार्यविधि बता दी गई है और यदि हां तो वह कार्य विधि क्या है और केन्द्रीय सरकार का इनके ऊपर कितना नियंत्रण रहेगा ?

†[RIVER BOARDS

64. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) the names of the States concerned which have not so far set up River Boards in connection with the inter-State rivers and what action is being taken by the Central Government in this regard; and

(b) whether any procedure has been communicated for setting up these boards and if so, what is that procedure and how far the Central Government will exercise its control over them?]

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन) : (क) 'नदी बोर्ड अधिनियम, १९५६' की अवस्थाओं के अन्तर्गत, नीचे लिखे नदी-बेसिनों से सम्बद्ध राज्य सरकारों को लिखा गया था कि वे इन नदी-बेसिनों के लिए नदी-बोर्ड स्थापित करने के प्रस्ताव को सम्मति दें :

१. कृष्णा-गोदावरी
२. सतलुज, ब्यास और रावी
३. महानदी
४. नर्मदा
५. यमुना
६. कावेरी
७. ताप्ती
८. मही
९. अजय

मही, महानदी, नर्मदा और ताप्ती नदी-बेसिनों से सम्बद्ध राज्यों ने इस प्रस्ताव से

†[ ] English translation.